भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 5801
उत्तर देने की तारीख 30.03.2026

कला संस्कृति विकास योजना के अंतर्गत सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन

5801. श्री दर्शन सिंह चौधरी :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही कला संस्कृति विकास योजना (केएसवीवाई) के अंतर्गत देश भर के कलाकारों, लोक कलाकारों और सांस्कृतिक संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है;

(ख) क्या सरकार का पारंपरिक लोक कला, लोक संगीत, लोक नृत्य और क्षेत्रीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए उक्त योजना के दायरे का विस्तार करने का विचार है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): संस्कृति मंत्रालय द्वारा एक समावेशी स्कीम कला संस्कृति विकास योजना (केएसवीवाई) कार्यान्वित की जा रही है जिसके अंतर्गत कई केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीमें शामिल हैं, जिनके माध्यम से देश भर में नाटक/रंगमंच, संगीत, नृत्य और अन्य मंच कलाओं के क्षेत्र में कार्यरत पात्र सांस्कृतिक संगठनों, कलाकारों और लोक कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। कला संस्कृति विकास योजना के अंतर्गत विगत तीन वित्तीय वर्षों के दौरान प्रदान की गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा निम्नानुसार है:

वित्तीय वर्ष	जारी की गई निधियां (करोड़ रुपए में)
2022-23	213.76
2023-24	218.36
2024-25	201.67

(ख) और (ग): संस्कृति मंत्रालय समाचार पत्रों, आधिकारिक वेबसाइटों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने और अधिक से अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने हेतु कलाकारों को सहायता प्रदान करने और विभिन्न कला रूपों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपनी स्कीमों के दायरे और पहुंच का विस्तार करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। इसके अतिरिक्त, क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (जेडसीसी) और संगीत नाटक अकादमी (एसएनए) देश भर में नियमित रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रमों और उत्सवों का आयोजन करते हैं। ये पहल लोक, जनजातीय और पारंपरिक कलाकारों को सक्रिय रूप से शामिल करती हैं, जिससे उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए महत्वपूर्ण मंच प्राप्त होते हैं और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के परिरक्षण और प्रचार को बल मिलता है।

*****